

असाधारण् EXTRAORDINARY

भाग II—वण्ड 3—उप-वण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 272] नई दिल्ली, बृहस्पतिबार, जुलाई 25, 1991/भावण 3, 1913 No. 272| NEW DELHI, THURSDAY, JULY 25, 1991/SRAVANA 3, 1913

इ.स. भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकल्प के रूप में रक्षा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विस मंत्रात्यय

(राजस्व विभाग)

श्रधिसूचना

नई दिल्ली, 25 ज्लाई, 1991

मं. 111-सीमाश्लक/91

सा. का. ति. 502(अ) :- केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क प्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहिल में ऐसा करना ग्रावण्यक है, भारत सरकार के विस्त 1892 GI/91

मंत्रालय (राजस्व विभाग) की ग्रधिम्चना मं. 77 - सीमाशुल्क/80, तारीख 17 अप्रैल, 1980 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थान् :---

मंगोधन

इक्त भाधिसूचना के ब्रारंभिक पैरा में ;

- (क) अर्न (8) के पण्चात निम्नलिखिन अर्न अंतःस्थापित की जाएगी, ग्रथीत् :--
 - "(8क) महायक कलक्टर, ऐसी शर्नों के हुए, जो वह बिहित करे, जोत में विनिर्मित माल का, विकास आयुक्त द्वारा दी गई आवश्यक अनुशा और भारत सरकार, वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी की गई "प्रक्रिया पुस्तिका" (अप्रैल, 1990 मार्च, 1993) के पैरा 413 में बिहित शर्नों को पूरा करने के ग्रिश्वीत रहने हुए, उस जीन के एक एकक से किसी श्रन्य जीन के किसी एकक को या किसी शत प्रतिशत निर्यानोत्मुख एकक को प्रदाय/श्रंतरण करने की सनुशा दे सकेगा।"
- (क) अर्त (9) में मद (ज) के पश्चात, निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, श्रर्थात्:—
 - ''(झ) ऐसा माल जिसका जान में विनिर्माण किया गया है और जो उस जोन के एक एकक से किसी भ्रन्य जोन के किसी एकक को या किसी शन प्रतिशत. निर्यानोन्मुख एकक को प्रधाय/भ्रंतरण करने के लिए अनुजान है।''

[सं. 111 — सीमाणुल्क/ 91 — फा. सं. 305/25/91-एफ टी टी (पी टी)] एल. जयशेखर, श्रवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue) NOTIFICATION

New Delhi, the 25th July, 1991

NO. 111-CUSTOMS|91

G.S.R. 502(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of

india in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 77-Cus 80, dated the 17th April, 1980, namely:—

AMENDMENT'

In the said notification, in the opening paragraph :— (a) after condition (8), the following condition shall be inserted, namely :—-

- "t8A) The Assistant Collector may, subject to such condition as may be prescribed by him, allow goods manufactured in the Zone to be supplied/transferred from a unit in the Zone to a unit in another Zone or to a 100 per cent Export Oriented Unit subject to necessary permission granted by the Development Commissioner and satisfaction of conditions prescribed in para 413 of the Hand Book of Procedures' (April 1990—March, 1993) issued by the Government of India, Ministry of Commerce".
- (b) in condition (9), after item (h), the following shall be inserted, namely --
 - (i) goods manufactured in the Zone and which are allowed to be supplied/transferred from a unit in the Zone to a unit in another Zone or to a 100 per cent Export Oriented Unit".

[No. 111-Customs 91-F. No. 305 25 91-FTT (Pt.)]

L. JAYASEKAR. Under Secy.